राष्ट्रीय हिन्दी मेल, भोपाल
11 SEP 2011

शिवराज की सफलता की कुंजी है उनकी सादगी

62 वर्ष की उम्र के बाद राजनीति नहीं करूंगा: प्रभात झा

विजय कुमार दास

भोपाल, 10 सितंबर।। मध्यप्रदेश भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सांसद (राज्यसभा सदस्य)प्रभात झा ने आज यहां कहा कि अपने एक वर्ष 3 माह के कार्यकाल में कार्यकर्ताओं को वे यह समझाने में कामयाब रहे कि सत्ता जन सेवा का श्रेष्ठ माध्यम है, उसे पूरी ईमानदारी से अमल में लाना चाहिये। सत्ता को उन्माद की चीज समझना सबसे बड़ी गलती है । सत्ता के साथ सादगी ही राजनीति में सफलता के शिखर तक पहुंचाती है और वे स्वयं इस सादगी का अनुसरण करते हैं। पार्टी अध्यक्ष के रूप में कम, कार्यकर्ता के रूप में बना रहना उनको अच्छा लगता है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की सफलता का सबसे बड़ा कारण सादगी ही है ।

प्रभात झा ने दो-टूक कहा कि राजनीति में 62 वर्ष के बाद नई पीढ़ी को जिम्मेदारी सौंप देनी चाहिए। उन्होंने स्वयं के राजनीतिक भविष्य पर साफगोई से कहा कि वे 62 वर्ष के बाद

सक्रिय राजनीति में कभी भी हिस्सेदारी नहीं करेंगे। झा ने आज **राष्ट्रीय हिन्दी मेल** कार्यालय का भ्रमण किया। अनौपचारिक चर्चा में उन्होंने कहा कि वे संभवत: प्रदेश के पहले सांसद हैं, जिसने आयकर के रूप में आयकर विभाग को एक लाख रुपए का आयकर जमा किया है। उन्होंने कहा कि वे पहले ऐसे भी सांसद हैं जिसने अपने एम.पी. लाड के दो करोड़ की खरीद की राशि का एक-एक पैसे का हिसाब दे दिया है। श्री झा ने कहा कि सांसदों को प्रत्येक वर्ष अपनी संपत्ति का ब्यौरा देना ही चाहिये। श्री झा ने भाजपा के अध्यक्ष के रूप में अपने एक वर्ष 3 माह के कार्यकाल पर संतोष जताया और उन्होंने कहा कि अध्यक्ष बनने के बाद उन्हें आश्चर्य हुआ कि सत्तारूढ़ भाजपा के कार्यकर्ता विपक्ष और पक्ष में अंतर ही नहीं समझते थे। चूंकि पार्टी विपक्ष में ज्यादा रही इसलिए सत्ता में आने के बाद कभी-कभी वे विपक्षी तेवर दिखाने में पीछे नहीं रहते ।